Seat No. : _____

MU-109-H

March-2019

B.A., Sem.-II

101 : Compulsory Sanskrit
(महाकवि भासरचित – कर्णभारम्)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

सूचना : प्रश्नपत्र में दिया गया प्रश्नक्रमांक ही उत्तर पत्रक में लिखिए ।

1. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** श्लोक का अनुवाद कीजिए : **14**

(1) समरमुखमसह्यं पाण्डवानां प्रविश्य
प्रथितगुणगणाढ्यं धर्मराजं च बद्धवा ।
मम शरवरवेगैरर्जुनं पातयित्वा
वनमिव हतसिंहं सुप्रवेशं करोमि ।।

(2) रवितुरगसमानं साधनं राज्यलक्ष्म्याः
सकलनृपतिमान्यं मान्यकाम्बोजजातम् ।
सुगुणमनिलवेगं युद्धदृष्टापदानं
सपदि बहुसहस्रं वाजिनां ते ददामि ।।

(3) अङ्गैः सहैव जनितं मम देहरक्षा
देवासुरैरपि न भेद्यमिदं सहास्रैः
देयं तथापि कवचं सह कुण्डलाभ्यां
प्रीत्या मया भगवते रुचितं यदि स्यात् ।।

(4) शिक्षा क्षयं गच्छति कालप्रर्ययात्
सुबद्धमूला निपतन्ति पादपाः ।
जलं जलस्थानगतं च शुष्यति
हुतं च दत्तं च तथैव तिष्ठति ।।

(5) अनेकयज्ञाहुतितर्पितो द्विजैः
किरीटवान् दानवसंघमर्दनः ।
सुरद्विपास्फालनकर्कशाङ्गुलि–
र्मया कृतार्थः खलु पाकशासनः ।।

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** को संदर्भ सहित समझाइए । **4**

(1) शल्यराज, यत्रासावर्जुनस्तत्रैव चौद्यतां मम रथः ।

(2) शक्र खलु मया वञ्चितः ।

(3) महत्तरां भिक्षां याचे ।

(4) हतेषु देहेषु गुणाः धरन्ते ।

2. (अ) 'कर्णभारम' के अनुसार कर्ण का संपूर्ण चरित्र वर्णन कीजिए । **14**

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखों :

(1) कवचकुण्डलदानप्रसंगः ।

(2) कर्णभार – शीर्षकम् ।

(3) परशुरामस्य शापप्रसंगः ।

(4) इन्द्रस्य पात्रम् ।

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विकल्प में से ढूँढकर दीजिए : (कोई **चार**) **4**

(1) कर्ण के सारथी का नाम क्या था ? (शल्यराज, देवदूत, मालवराज)

(2) इन्द्र किस वेश में कर्ण के पास आया था ? (ब्राह्मण, भगवान, बालक)

(3) कर्ण के अनुसार राज्यलक्ष्मी किसके समान है ? (साप की जिह्वा, तलवार की धार, बादल जैसी)

(4) कर्ण के देश का नाम क्या था ? (अंग, बंग, कलिंग)

(5) इंद्र के हाथी का नाम क्या था ? (ऐरावत, अश्वत्थामा, कपिंजल)

(6) कर्णभार में कितने स्त्री पात्र हैं ? (दो, तीन, एक भी नहीं)

3. (अ) 'कर्णभारम्' के आधार पर महाकवि भास का नाट्यकार के रूप में मूल्यांकन कीजिए । **14**

अथवा

'कर्णभार' एकांकी का रसदर्शन कीजिए ।

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विकल्प में से ढूँढकर लिखिए : (कोई **तीन**) **3**

(1) भास के नाटकों की खोज किसने की थी ?

(टी. गणपती शास्त्री, वी. राघवन, ए.बी. कीथ)

(2) भास के सभी नाटकों के प्रारंभ में कौन सी पंक्ति पायी जाती है ?

(नान्द्यन्ते ततः प्रविशति सूत्रधारः, राजसिंहः प्रशास्तु नः, निष्क्रम्य च प्रविश्य च)

(3) भास ने कर्णभार की कथावस्तु कहाँ से ली थी ? (रामायण, महाभारत, पुराण)

(4) भास के नाटकों की अंतिम पंक्ति कौन सी है ?

(निष्क्रम्य च प्रविश्य च, नान्द्यन्ते ततः प्रविशति सूत्रधारः, राजसिंहः प्रशास्तु नः)

(5) भास नाटकों के पात्रों के परिचय के प्रारंभ में कौन सा अलंकार प्रयुक्त करते हैं ?

(मुद्रालंकार, उपमालंकार, विरोधालंकार)

4. (अ) कर्णभार की कथावस्तु देकर उसके साहित्य-प्रकार पर टिप्पणी लिखिए । **14**

अथवा

(ब) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विकल्प में से ढूँढकर लिखिए । (कोई **तीन**) **3**

(1) महाकवि भास के एकांकी नाटक कितने हैं ? (तेरह, छः, पाँच)

(2) उरूभंग किस प्रकार का नाटक है ? (करुणांत, प्रहसन, प्रकरण)

(3) दूतवाक्य में कौमुदकी किसका नाम है ? (ध्वजा, गदा, तलवार)

(4) हिडिम्बा किस एकांकी का पात्र है ? (दूतवाक्य, मध्यमव्यायोग, उरुभंग)

(5) दूतघटोत्कच में प्रारंभ में किसका रूदन सुनाई देता है ? (दुःशाला, उत्तरा, गांधारी)